पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

<u>रोगियों के लिए दान में दिए गए उपकरण का उचित प्रयोग हो - राज्यपाल</u>

लखनऊः 03 जुलाई, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आस्था सेन्टर फार जेरियाट्रिक मेडिसिन, पैलिएटिव केयर हास्पिटल, लखनऊ को बैंक आफ बड़ौदा द्वारा दान की गई ट्रामा एम्बुलेन्स को हरी झण्डी दिखाकर उद्घाटन किया। यह एम्बुलेन्स कैंसर पीड़ितों और बुजुर्ग रोगियों के इलाज के लिए बैंक आफ बड़ौदा द्वारा कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के अन्तर्गत दान की गई है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री हेमन्त राव, रिजर्व बैंक आफ इण्डिया के क्षेत्रीय निदेशक श्री अजय कुमार, बैंक आफ बड़ौदा के जनरल मैनेजर श्री बी0एस0 ढाका, आस्था ओल्ड ऐज सेन्टर एण्ड हास्पिस के प्रबन्ध निदेशक डा0 के0के0 शुक्ला, आस्था के संस्थापक डा0 अभिषेक शुक्ला, संरक्षिका डा0 शशि त्रिवेदी सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक और बैंक आफ बड़ौदा ने समाज के लिए कुछ खर्च करने की भूमिका में एम्बुलेन्स दान के रूप में जो सहयोग किया है, वह प्रशंसनीय है। प्रसन्नता है कि सुबह-सुबह एक अच्छा काम करने को मिला। बैंक के इस नए दायित्व का परिचय समाज में होगा अन्य संस्थाएं भी सामाजिक सेवा के लिए आगे आयेंगी। एक श्लोक का मतलब बताते हुए राज्यपाल ने कहा कि सौ में एक वीर होता है, हजार में एक विद्वान मिलता है, दस हजार व्यक्तियों में एक व्यक्ति कुशल वक्ता होता है पर दान देने वाला मिलेगा या नहीं मिलेगा कुछ निश्चित नहीं होता। एम्बुलेन्स के माध्यम से रोगियों की सेवा में आसानी होगी। रोगियों के लिए दान में दिए गए उपकरण का उचित प्रयोग हो। उन्होंने कहा कि एम्बुलेन्स का दुरूपयोग न हो बल्कि जिस कार्य के लिए दान मिला है, उसी के लिए उपयोग हो।

श्री नाईक ने कैंसर एवं वृद्धावस्था के जटिल रोगों से ग्रसित मरीजों के लिए कार्य करने वाली संस्था आस्था की सराहना करते हुए कहा कि रोगी सेवा परम सेवा है। कैंसर के मरीज को जिन्दा रहने के लिए उम्मीद और उमंग की आवश्यकता होती है। समय पर इलाज, परिवार का सहयोग और मरीज में इच्छाशक्ति का निर्माण करने से मरीज को जल्दी लाभ होता है। आस्था संस्था से जुड़े लोग पूरे समर्पण भाव से इस पावन दायित्व को निभाएं। राज्यपाल ने उपस्थित लोगों के बीच अपने कैंसर पीड़ित होने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उनकी हिम्मत बढ़ाते हुए कहा था कि 'आप जल्द ही ठीक होकर जरूर वापस आएंगे।' उन्होंने यह भी बताया कि बीमारी के समय उनके परिवार का सहयोग और शुभचिन्तकों की शुभकामनाओं ने उनकी इच्छाशक्ति को दृढ़ बनाया।

रिजर्व बैंक आफ इण्डिया के क्षेत्रीय निदेशक श्री अजय कुमार ने कहा कि उन्हें इस बात का संतोष है कि जीवन में एक अच्छा कार्य करने का अवसर मिला। सीएसआर के अन्तर्गत उनकी टीम स्कूल व अस्पतालों का दौरा करके कुछ मदद और सहयोग करने का प्रयास करती है। वृद्धाश्रम की बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ वृद्ध माँ-बाप जो अकेले हैं या उनके परिजन विदेशों में रहते हैं उनके लिए काम करना एक अच्छा प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर शहर में ऐसी संस्थाओं को कार्य करना चाहिए।

आस्था के संस्थापक श्री अभिषेक शुक्ला ने बताया कि 12 साल पहले संस्था का शुभारम्भ किया गया था। अस्पताल में गम्भीर कैंसर रोगियों और शैय्याग्रस्त रोगियों के लिए 60 बेड वाला यूनिट भी है। टोल फ्री नम्बर के माध्यम से संस्था से सम्पर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि लगभग 6,500 लोग संस्था से जुड़े हैं। कार्यक्रम में बैंक आफ बड़ौदा के जनरल मैनेजर श्री बी0एस0 ढाका ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अंजुम/ललित/राजभवन(265/2)

AMBULANCE
Aastha
Old Age Hospital
& Hospice
Ambulance Donated By Bank of Baroda
Bank of Baroda

AMBULANCE
Bank of Baroda
ASTHA HOSPICE • CARE FOR ELDERLY